

सुनाई देना, ध्वनि की आवृत्ति, प्रतिध्वनि, गूँज।

अनुरणनात्मक शब्द पुं. (तत्.) किसी वस्तु आदि की अपनी सहज ध्वनि के आधार पर उसके लिए प्रयुक्त (स्वीकृत) शब्द, जैसे- टमटम।

अनुरत वि. (तत्.) 1. लीन 2. आसक्त 3. अनुरागी, प्रेमी।

अनुरति स्त्री. (तत्.) 1. लीनता 2. अनुराग, प्रीति।

अनुरथ्या स्त्री. (तत्.) [अनु+रथ्या] 1. किसी स्थान/ग्राम/नगर तक पैदल पहुँचने का पतला रास्ता 2. किसी सड़क के दोनों ओर पगडंडी किनारे बना हुआ पैदल चलने का रास्ता।

अनुराग पुं. (तत्.) 1. प्रीति, प्रेम, आसक्ति, प्यार, मुहब्बत 2. भक्तिभाव 3. लालिमा।

अनुरागी वि. (तत्.) अनुराग रखनेवाला, प्रेमी।

अनुराणित वि. (तत्.) [अनु+रणित] 1. जो प्रतिध्वनित हुआ हो 2. जिसकी आवाज गुंजित हुई हो 3. शब्द होना, गुंजित होना जैसे- अनुराणित नूपुर के स्वर।

अनुराधना अ.क्रि. (तत्.) किसी की आराधना या विनय करना, प्रार्थना करना।

अनुराधा स्त्री. (तत्.) 27 नक्षत्रों में से 17 वाँ, विशाखा और ज्येष्ठा के बीच का नक्षत्र।

अनुरुद्ध वि. (तत्.) रोका हुआ, बाधित, जिसका प्रतिवाद किया गया है।

अनुरूप वि. (तत्.) आकृति, स्वरूप, स्वभाव, क्रिया, गुणधर्म या परिस्थिति के अनुसार मेल खाने वाला, समान, सदृश, सरीखा, अनुकूल, उपयुक्त प्रयो. देश-काल के अनुरूप ही धर्म-बोध ढलता है -मानस का हंस-अ.ला. नागर।

अनुरूप अभिकलित्र पुं. (तत्.) एक कंप्यूटर जो समस्यागत संख्यात्मक चरों, विद्युत आवेश, शैफ्ट के घूर्णन आदि भौतिक तुल्यरूपों के द्वारा गणितीय समस्या का समाधान करता है।
analogous computer

अनुरूपक पुं. (तत्.) 1. वह वस्तु जो किसी के अनुरूप बनी हो जो किसी का अनुकरण करके बनाया गया हो 2. किसी के सदृश या समान वस्तु 3. मूर्ति, प्रतिमा विलो. प्रतिरूप।

अनुरूपण पुं. (तत्.) [अनुरूप+मन] किसी को किसी के अनुरूप बनाने की क्रिया, अवस्था या भाव, अनुरूप बनाना, जैसे- यह चित्रकार, शिल्पकार अनुरूपण में कुशल है।

अनुरूपता वि. (तत्.) [अनुरूप+तः] 1. किसी की अनुरूपता से 2. अनुरूप होने से 3. अनुरूप के अनुसार, उसके समान/सदृश।

अनुरूपना क्रि.वि. (सं. अनुरूपक) 1. किसी के अनुरूप कोई चीज बनाना, तदनुरूप बनाना। तत्सदृश बनाना। 2. अ.क्रि. किसी का किसी के अनुरूप बनना या होना, तत्सदृश होना।

अनुरेखक पुं. (तत्.) रसा. बिना परिस्थितियों को बदले, तंत्र में क्रिया पथ का अनुसरण करने वाला पदार्थ, विशेषकर रेडियोएक्टिव समस्थानिक।

अनुरेखन पुं. (तत्.) 1. किसी रेखाचित्र की हूबहू नकल करना या अनुकृति करना 2. किसी आकृति आदि के ऊपर पारदर्शी कागज रखकर पेंसिल से उसे तदनुरूप बनाना या उसकी रूपरेखा को उतारना 3. हूबहू प्रतिलिपि उतारना।

अनुरोध पुं. (तत्.) आग्रह, किसी बात को विनय के साथ कहना, निवेदन।

अनुरोधक वि. (तत्.) अनुरोध करने वाला।

अनुरोध पत्र पुं. (तत्.) किसी काम को करवाने के लिए आग्रह पूर्वक लिखा गया पत्र।

अनुरोधी वि. (तत्.) दे. अनुरोधक।

अनुर्योगी वि. (तत्.) [अन्+उद्योगी] 1. उद्योग (परिश्रम) न करने वाला 2. अकर्मठ, आलसी 3. उदासीन विलो. उद्योगी।

अनुर्वर वि. (तत्.) जो उर्वर या उपजाऊ न हो, बंजर, बंध्य।

अनुलग्न वि. (तत्.) संलग्न, पीछे लगा हुआ, चिपका हुआ, नत्थी किया हुआ।